Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

थैलेसीमिया बाल सेवा योजना

कोल इण्डिया
Coal India

कोल इंडिया लिमिटेड (एक महारत्न कंपनी) की एक सीएसआर पहल

नवजीवन के लिए सीआईएल का आरोग्यकारी स्पर्श:

थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है जिसके कारण शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। यह एक दुर्लभ और दुःसाध्य रोग है जिसमें रोगी का जीवन बचाने के लिए आजीवन बारंबार रक्त चढ़ाना पढ़ता है और अन्य महँगे चिकित्सीय उपाय करने पड़ते हैं। एप्लास्टिक अनीमिया एक स्थिति है जिसमें शरीर पर्याप्त संख्या में नई रक्त कोशिकाएँ बनाना रोक देता है।

एक अनुमान के अनुसार, भारत में हर वर्ष 10,000 से भी अधिक थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चे जन्म लेते हैं। इसी प्रकार, हर वर्ष 9,400 लोगों में एप्लास्टिक अनीमिया की पुष्टि होती है। ये रोग स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं पर बड़ा बोझ डालने के साथ-साथ, प्रभावित परिवारों पर, विशेष रूप से ग्रामीण और निर्धन पृष्ठभूमि वाले परिवारों पर भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक बोझ डालते हैं।

इन रोगों का स्थायी इलाज है हिमेटोपॉइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट (एचएससीटी) जिसे बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) भी कहते हैं। साथ ही, यह भी पता चला है कि यदि बीएमटी छोटी आयु में की जाए तो उपचार अधिक सफल होता है।

ऊपर बताई गई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, कोल इंडिया लिमिटेड ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में इन दो रोगों से प्रभावित बच्चों के उपचार में सहायता की एक अनूठी सीएसआर पहल की है।

सीआईएल सार्वजनिक क्षेत्र की वह पहली कंपनी है जिसने थैलेसीमिया के स्थायी इलाज के लिए 2017 में एक सीएसआर परियोजना शुरू की थी। देश भर में फैले सत्रह प्रमुख अस्पतालों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए पात्र रोगियों को ₹10 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। वर्ष 2021 से इस योजना को विस्तार देकर एप्लास्टिक अनीमिया को भी इसमें शामिल कर लिया गया है। अगस्त, 2024 तक थैलेसीमिया और अप्लास्टिक एनीमिया रोगियो के 580 से भी अधिक टैन्सप्लांट किये जा चुके हैं।

पात्रता:

मानदंड	थैलेसीमिया पूर्णतः मेलित सहोदर दाता (फ़ुली मैच्ड सिबलिंग डोनर, एमएसडी)	थैलेसीमिया मेलित असंबंधी दाता (मैच्ड अनरिलेटेड डोनर, एमयूडी)	एप्लास्टिक अनीमिया
आयु परिवार की आय	अधिकतम 12 वर्ष अधिकतम ₹8 लाख प्रति वर्ष	अधिकतम 12 वर्ष अधिकतम ₹8 लाख प्रति वर्ष	अधिकतम 18 वर्ष अधिकतम ₹8 लाख प्रति वर्ष

क्लिनिकल आवश्यकताएँ

थैलेसीमिया मेलित सहोदर दाता (मैच्ड सिबलिंग डोनर, एमएसडी)	थैलेसीमिया मेलित असंबंधी दाता (मैच्ड अनरिलेटेड डोनर, एमयूडी)	एप्लास्टिक अनीमिया
रोगी आधान (ट्रांसफ़्यूज़न) निर्भर थैलेसीमिया से ग्रस्त हो	रोगी आधान (ट्रांसफ़्यूज़न) निर्भर थैलेसीमिया से ग्रस्त हो	रोगी को गंभीर एप्लास्टिक अनीमिया हो जो बोन मैरो जाँच में दस्तावेज़ीकृत हो
रोगी का 100% एचएलए (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन) मेलित सहोदर दाता (मैच्ड सिबिलिंग डोनर) हो	रोगी का 100% एचएलए (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन) मेलित असंबंधी दाता (मैच्ड अनरिलेटेड डोनर) हो	रोगी का 6/6 एचएलए (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन) मेलित संबंधी दाता (मैच्ड रिलेटेड डोनर) हो
रोगी क्लास थ्री बी रोगी न हो, रोगी के यकृत (लिवर) का साइज़ कोस्टल मार्जिन (छाती पिंजर के निचले किनारे) के नीचे 5 सेमी से कम हो	रोगी क्लास थ्री बी रोगी न हो, रोगी के यकृत (लिवर) का साइज़ कोस्टल मार्जिन (छाती पिंजर के निचले किनारे) के नीचे 5 सेमी से कम हो	वंशानुगत बोन मैरो फ़ेलियर सिंड्रोम की संभावना खारिज करने हेतु आवश्यक परीक्षण किए जाएँगे

प्रक्रिया फ़्लोचार्ट:

'थैलेसीमिया बाल सेवा योजना' *नामक परियोजना हेतु तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए थैलेसीमिक्स इंडिया को नामित किया गया है।*

बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए सहभागी अस्पताल:

एम्स
नई दिल्ली

सीएमसी
वेल्लोर

टाटा मेडिकल सेंटर
कोलकाता

राजीव गांधी कैंसर संस्थान
नई दिल्ली

नारायण हृदयालय
बैंगलोर

एसजीपीजीआई
लखनऊ

सीएमसी
लुधियाना

पीजीआईएमईआर
चंडीगढ़

कोकिलाबेन धीरूभाई
अंबानी अस्पताल
मुंबई

एमसीजीएम-सीटीसी
पीएचओ एवं बीएमटी सेंटर
मुंबई

फोर्टिस मेमोरियल
रिसर्च इंस्टीट्यूट
गुरुग्राम

एस्टर सीएमआई अस्पताल
बैंगलोर

एचसीजी कैंसर सेंटर
केआर रोड
बैंगलोर

भगवान महावीर
जैन अस्पताल
बैंगलोर

सर गंगा राम अस्पताल
नई दिल्ली

इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल
नई दिल्ली

मेदांता द मेडिसिटी
गुरुग्राम

अधिक जानकारी के लिए: कोल इंडिया के टीबीएसवाय पोर्टल पर आएँ: https://www.coalindia.in/tbsy

संपर्क करें:

Thalassemics India

थैलेसीमिक्स इंडिया
+91-9871445595 | 011-41827334,46595811
thalcind@yahoo.co.in | tulishobha@gmail.com

कोल इंडिया लिमिटेड
सचिन बी. | सहायक प्रबंधक
sachin.b@coalindia.in

कोल इंडिया लिमिटेड (एक महारत्न कंपनी) की एक सीएसआर पहल